दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 गोरखपुर-गर्मी में खपाते हैं ठंडी में जमा कोल्ड ड्रिंक

5 कातिल हसीना

8 मिंज से लेकर 13 साल के वैभव तक

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 39 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 24 मार्च, 2025

यूपी में निवेश के लिए एक पावर कंपनी से रिश्वत मांगने के आरोप में निलंबित किए गए इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश की संपत्ति की जांच की जाएगी।

IAS अभिषेक प्रकाश की संपत्ति की जांच करेगी विजिलेंस
वसूली के कारण किए गए हैं निलंबित

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत अब 75: युवाओं को प्रदेश में ही रोजगार मिलेगा। ट्रेनिंग पार्टनर अब दूसरे राज्यों की बजाय यूपी में ही नौकरी दिलाने पर ध्यान देंगे। न्यूनतम मानदेय भी 9000 रुपये से बढ़ाकर 12000 रुपये किया गया है। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने में भी सहायता मिलेगी ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। अब उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन से प्रशिक्षित 75 प्रतिशत युवाओं को प्रदेश में ही नौकरी दिलाई जाएगी। अभी तक ट्रेनिंग पार्टनर दूसरे राज्यों में इन युवाओं को नौकरी दिलाते हैं। ऐसे में रोजगार पाने वाले युवा विभिन्न कंपनियों में नौकरी कर रहे हैं या नहीं उसका सत्यापन करना कठिन होता है। प्रदेश में ज्यादातर युवाओं को जाब दिलाकर जिलाधिकारियों के माध्यम से सत्यापन कराया जाएगा। यही नहीं अभी तक न्यूनतम नौ हजार रुपये मानदेय दिया जाता है और अब इन कुशल कर्मियों को 12 हजार रुपये न्यूनतम मानदेय मिलेगा। प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता डा. हरिओम ने बताया कि इस वर्ष उप्र कौशल विकास मिशन को युवाओं के हितों के लिए नए कलेवर में लाया जाएगा। युवा जब प्रदेश में ही नौकरी करेंगे तो वह यहां की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाने में अपना योगदान करेंगे।

जस्टिस यशवंत वर्मा का स्थानांतरण इलाहाबाद हाईकोर्ट करने पर भड़का HBCA, कहा- हम कूड़ा घर नहीं

दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा का तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट किए जाने के सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम के फैसले पर इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। जस्टिस वर्मा के घर कथित तौर पर करोड़ों रुपये मिले हैं। इसके बाद उनका तबादला इलाहाबाद किया गया है। हाईकोर्ट बार ने कोलेजियम के फैसले पर हैरानी जताई है।

छात्राओं के 60 गंदे वीडियो... 2008 में जागा शैतानी दिमाग पत्नी भी थी परेशान

हाथरस में पीसी बागला डिग्री कश्वलेज के अनुशासन अधिकारी व भूगोल विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रजनीश कुमार की गिरफ्तारी के बाद उसकी सारी करतूतें एक–एक करके सामने आने लगी हैं। पुलिस ने उक्त आरोपी के कब्जे से लैपटश्वप, मोबाइल बरामद किया है। उनका डेटा रिकवर किया गया तो उसमें पुलिस को करीब 60 अश्लील वीडियो मिले थे।

व्यवसाई को पीटकर किया घायल मेडिकल कालेज में मौत...

गोरखपुर। मृतक के पिता का कहना है कि रात में उसका किसी के साथ झगड़ा हुआ था। इसी के दौरान उसके विपक्षी के पक्ष से दर्जनों लोग वहां पहुंच गए तथा उनके पुत्र को बुरी तरह से मारा पीटा था। संतकबीरनगर में कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के रेलवे स्टेशन के पास शराब के नशे में धुत एक युवक ने एक कपड़ा व्यवसाई को पीटकर बुरी तरह से घायल कर दिया। घायल अवस्था में पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां से उसे मेडिकल कालेज भेज दिया गया। वहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के बेलवनिया गांव का निवासी 25 वर्षीय मुन्नालाल मौर्या पुत्र प्रहलाद जिला मुख्यालय के मेंहदावल बाईपास पर मौर्या फैशन गारमेंट नाम से दुकान चलाता था। 19 मार्च की रात 8 बजे के करीब उसने अपनी दुकान बन्द की। इसी दौरान उसकी बहन का फोन आ गया। उसने बहन को उसने बताया कि वह मार्केट से अभी आ रहा है। इस दौरान रात 10 बजे तक जब वह वापस नहीं लौटा तो बहन ने फिर फोन किया। इस दौरान फोन नहीं उठा। तकरीबन 15 मिनट बाद फिर फोन करने के बाद फोन उठा। दूसरी तरफ से फोन उठाने वाले ने बताया कि वह पुलिसकर्मी है और भाई का एक्सीडेंट हो गया है। जिला अस्पताल पहुंचे।

—सत्यजीत गुप्ता, पुलिस अधीक्षक

नौकरी के नाम पर ठगी

29 लाख हड़पे

गोरखपुर। पीड़ित धीरज सिंह ने बताया कि यहीं चौरीचौरा थाना क्षेत्र के बेलवा बाबू निवासी हरेंद्र से मुलाकात हुई। उसने बताया कि हम विदेश भेजने का कार्य करते हैं। मेरा पासपोर्ट बना था तो मैंने भी विदेश जाने की इच्छा जताई। तब हरेंद्र ने हमें अपने घर बेलवा बाबू बुलाया। कुछ दिनों के बाद मैं हरेंद्र के घर गया तो उसने हमें कनाडा में अच्छे पैकेज पर भेजने की बात की। चौरीचौरा थाना क्षेत्र के अलग–अगल गांव निवासी सात युवकों से जालसाज पिता व पुत्र ने विदेश भेजने के नाम पर ठगी का शिकार बना लिया। आरोपियों ने सातों युवकों से करीब 29 लाख रुपये की ठगी की है। ठगी के शिकार एक पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी पिता–पुत्र पर केस दर्ज कराया है। चिलुआताल थाना क्षेत्र के झुंगिया बाजार मुंडेरा निवासी धीरज सिंह उर्फ धीरेंद्र पुत्र हरेन्द्र सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया की आठ महीने पहले चौरीचौरा बाजार में कुछ निजी कार्य से आया था। यहीं चौरीचौरा थाना क्षेत्र के बेलवा बाबू निवासी हरेंद्र से मुलाकात हुई। उसने बताया कि हम विदेश भेजने का कार्य करते हैं। मेरा पासपोर्ट बना था तो मैंने भी विदेश जाने की इच्छा जताई। तब हरेंद्र ने हमें अपने घर बेलवा बाबू बुलाया। कुछ दिनों के बाद मैं हरेंद्र के घर गया तो उसने हमें कनाडा में अच्छे पैकेज पर भेजने की बात की।

"हमने अभी होली मनाई है, गुड़ी पड़वा और ईद आने वाली है, ये सभी त्यौहार हमें एक साथ मिलकर मनाने हैं. जो कोई भी हमारे मुस्लिम भाइयों और बहनों को आँख दिखाएगा, अगर कोई भी दो गुटों में झगड़ा कराकर अमन-शांति को भंग करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा."

अजित पवार
डिप्टी सीएम, महाराष्ट्र

सोनभद्र में 9 महिलाओं का एक पति खास ट्रिक से जीत लेता था दिल

सोनभद्र । एक व्यक्ति ने नौ महिलाओं को अपने प्रेम जाल में फंसा कर की शादी. परिषदीय विद्यालयों की महिलाएं और बिजनेस करने वाली युवतियां बनी उसके हवस का शिकार. शादी के बाद उनके नाम पर बैंक से लाखों का लोन निकलवाता था और रुपया लेने के बाद वह अपनी पत्नियों कों छोड़ देता था. अब उन्हें पहचानने से कर रहा इनकार. उसकी शिकार अंबेडकर नगर, संत कबीर नगर, गोरखपुर, वाराणसी, सोनभद्र की महिलाएं बनती थी. पीड़ित महिलाओं ने जब पुलिस से शिकायत की तब मामला हुआ उजागर. यह मामला सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज कोतवाली का है।

होली पर्व है आनंद का, नृत्य का...

होली पर्व है हर्ष का, उल्लास का...

रंगों के महामिलन का... होली पर्व है विजय का... नास्तिकता पर आस्तिकता की विजय..

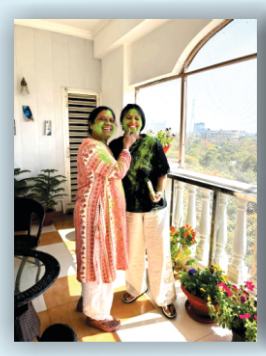

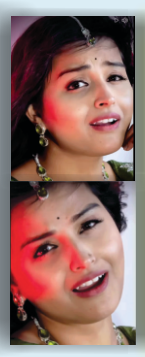

सम्पादकीय

महंगी पड़ेगी किसानों की गिरफ्तारी

एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए पंजाब सरकार ने लगभग 100 किसान नेताओं की गिरफ्तारी कर शंभू–खनौरी बार्डर खाली तो करा दिया है

क्या यूएसएआईडी ने अन्ना हजारे आंदोलन को धन दिया जिसके कारण यूपीए सरकार गिरी?जाति सरकार पूछेगी रू अपमानित करने वाले तो सदियों से पूछ रहे हैं!

एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए पंजाब सरकार ने लगभग 100 किसान नेताओं की गिरफ्तारी कर शंभू–खनौरी बॉर्डर खाली तो करा दिया है लेकिन अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे किसानों को गिरफ्तार करना न केवल केन्द्र सरकार को महंगा पड़ेगा बल्कि पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के प्रति भी किसानों में नाराजगी बढ़ेगी। पंजाब सरकार का यह कदम इसलिये हैरत में डालता है क्योंकि जहां एक ओर आप का समर्थन शुरू से ही किसान आंदोलन को रहा है, तो वहीं कुछ माह पहले सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार ने कहा था कि किसानों को हटाने या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करने से देश भर के किसानों में असंतोष फैलेगा जिससे स्थिति बेकाबू हो सकती है। इस कार्रवाई के बाद आंदोलन के और तेज होने का अनुमान है क्योंकि किसान नेताओं ने ऐलान किया है कि वे अंतिम सांस तक लडें□गे। अचानक हुई इस कार्रवाई से यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या केन्द्र सरकार पंजाब सरकार के कंधे पर रखकर बन्दूक चला रही है?

किसानों का एक प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को चंडीगढ़ में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा केन्द्र सरकार के अधिकारियों से चर्चा कर लौट रहा था तभी उन्हें मोहाली में गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही पंजाब पुलिस के सैकड़ों जवानों द्वारा आंदोलन स्थल खाली कराने का एक्शन किया गया। इस कार्रवाई में जेसीबी और बुलडोजरों का इस्तेमाल हुआ। अनशनकारी व उनके समर्थन में बैठे किसानों के टेंट भी उखाड़ दिये गये। किसान मजदूर मोर्चे का कार्यालय, मंच और कच्चे–पक्के निर्माण ध्वस्त हो गये। पुलिस का दावा है कि सुबह तक पूरा क्षेत्र खाली हो जायेगा। समीपवर्ती इलाकों की इंटरनेट सेवाएं बन्द कर दी गयी हैं। लगभग 100 गिरफ्तार लोगों में सरवन सिंह पंढेर तथा जगजीत सिंग डल्लेवाल भी हैं जो आंदोलन के शीर्ष नेता हैं। पंजाब के वित्त मंत्री ने जले पर नमक छिड़कते हुए कहा है कि शजिन राजमार्गों पर किसानों ने पिछले कई माह से आंदोलन जारी कर रखा है, वह नागरिकों के आवागमन में बाधा पहुंचा रहा है। ये राजमार्ग प्रदेश की जीवन रेखाएं हैं। किसानों द्वारा इन्हें अवरूद्ध करने के कारण उद्योग एवं व्यवसायों पर बुरा असर पड़ रहा है।श उनका यह भी कहना है कि श्इससे युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहे हैं।श

पिछले वर्ष 13 फरवरी को दिल्ली कूच करने निकले किसानों को जब रोका गया था तो उन्होंने शंभू–खनौरी बॉर्डर पर धरना दे दिया था। तब से यह आंदोलन वहां जारी था। एमएस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार किसानों को उनके उत्पादों का न्यूनतम समर्थन मूल्य देने की मांग को लेकर देश भर के कई किसान संगठन आंदोलनरत हैं। उल्लेखनीय है कि 9 अगस्त, 2020 से 11 दिसम्बर, 2021 तक देश भर में किसानों का ऐतिहासिक आंदोलन केन्द्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुआ था। इन कानूनों को वापस लेते हुए मोदी ने यह भी कहा था कि श्वे किसानों से केवल एक फोन कॉल की दूरी पर हैं। वे इस मामले पर कभी भी चर्चा करने के लिये तैयार हैं।श कई माह ठहरने तथा अधिकारियों से कई राउंड की बातचीत के बाद भी सरकार द्वारा कोई फैसला न लेने के कारण किसानों को फिर से सड़कों पर उतरना पड़ा है। साफ है कि केन्द्र सरकार स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश वाला एमएसपी लागू नहीं करेगी क्योंकि मोदी के कारोबारी मित्रों की फूड प्रोसेस इंडस्ट्री में बड़े पैमाने पर उतरने की तैयारी है जिसके लिये जरूरी है कि किसानों के उत्पादों को कार्पोरेट के हाथों तक सस्ते दामों में पहुंचाया जाये। जो तीन कृषि कानून पास किये गये थे और किसानों के दबाव में वापस लिये गये, उनका मकसद देश की सुदृढ़ मंडी व्यवस्था को खत्म कर खाद्यान्नों पर उद्योगपतियों का पूरी तरह से आधिपत्य स्थापित करना था। इसलिये मोदी के लिये यह सम्भव नहीं है कि स्वामीनाथन की सिफारिश वाले सी–2 फार्मूले के अनुसार एमएसपी प्रदान करें जिससे किसानों का लाभ दोगुना हो। ऐसा करने पर कृषि उत्पादों पर कारोबारियों का वर्चस्व नहीं हो पायेगा। उल्लेखनीय है कि मोदी ने वायदा किया था कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी कर दी जायेगी। निजी हाथों में फसलों को बेचकर यह सम्भव नहीं है। अकाली दल के नेता दलजीत सिंह चीमा ने पंजाब सरकार से पूछा है कि इस बैठक में क्या तय हुआ है? उनका यह शक वाजिब हो सकता है कि केन्द्र और राज्य द्वारा मिलकर यह कदम उठाया गया है।

कांग्रेस नेताओं ने भी इस कदम की आलोचना की है। सम्भवतरू यह कार्रवाई केन्द्र सरकार के इशारे पर हुई हो। हाल ही में दिल्ली सरकार से अपदस्थ होने के कारण आप की हालत डांवाडोल है। कोई भरोसा नहीं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उनके प्रमुख सिपहसालार अमित शाह कब पंजाब में श्ऑपरेशन लोटसश चला दें। दिल्ली चुनाव हारने के बाद कई नेताओं की तिहाड़ जेल में वापसी भी हो सकती है। किसान आंदोलन मोदी सरकार के लिये प्रतिष्ठा का भी सबब है क्योंकि 11 वर्षों के कार्यकाल में यही एकमेव उदाहरण है जिसमें भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार और सीधे कहें तो मोदी को करारी पराजय मिली थी। बहरहाल, पंजाब सरकार के कंधे पर रखकर यह केन्द्र सरकार द्वारा बन्दूक चलाने का मामला हो सकता है। जो भी हो, इस दमन से किसानों के झुकने का सवाल ही पैदा नहीं होता। आश्चर्य नहीं होना चाहिये कि आंदोलन नये सिरे से फिर प्रारम्भ हो। सरकार को चाहिये कि गिरफ्तार किसानों को रिहा करे और वे वादे पूरे करे जो किसानों से किये गये थे।

23 मार्च, 1931 को 24 वर्षीय भगत सिंह की शहादत में छिपे तथ्यों की व्याख्या

यह वह समय था जब उन्हें विश्वास था कि उनकी पीढ़ी एक ऐसा उदाहरण स्थापित कर रही है जो नये नेतृत्व के उदय का आधार तैयार करेगा। उनके लिए समाजवाद एक आदर्श था, जो उन्हें मार्गदर्शन करने वाला सिद्धांत था, ताकि सत्ता पर कब्जा करने के बाद समाज का पुनर्निर्माण किया जा सके। भगत सिंह एक शौकीन पाठक थे, खासकर समाजवादी साहित्य, और शायद समाजवाद की ओर आकर्षित होने वाले समूह में से पहले थे। वह जेल के बाहर होने वाली सभी महत्वपूर्ण घटनाओं से अवगत थे, जैसे शोलापुर विद्रोह, पेशावर विद्रोह, गढ़वाली सैनिकों का वीर रुख जिसका नेतृत्व चंद्र सिंह गढ़वाली ने किया था। क्रांति मानव का अविभाज्य अधिकार है। स्वतंत्रता सभी का जन्मसिद्ध अधिकार है। श्रमिक ही समाज का वास्तविक पालनहार है।

इस क्रांति की वेदी पर, हम अपनी जवानी को धूप की तरह लाये हैं, क्योंकि इतने महान उद्देश्य के लिए कोई भी बलिदान कम नहीं है। हम संतुष्ट हैं,हम क्रांति के आगमन की प्रतीक्षा कर रहे हैं।श ये शब्द थे भगत सिंह के जब वे एक पर्चा फेंक रहे थे जिसमें वह सब कुछ था जो वे सत्ता में बैठे लोगों को बताना चाहते थे। असेंबली हॉल में बम फेंकना, किसी को चोट पहुंचाने के उद्देश्य से नहीं था, बल्कि यह सिफर्फ एक प्रदर्शनकारी कार्य था। यह श्रम–विरोधी व्यापार विवाद विधेयक के विरुद्ध था। अदालत में अपने मुकदमे में, भगत सिंह ने अदालत से कहा था कि उनके लिए क्रांति बम और पिस्तौल का पंथ नहीं है, बल्कि समाज का संपूर्ण परिवर्तन है, जिसकी परिणति सर्वहारा वर्ग की तानाशाही के तहत विदेशी और भारतीय पूंजीवाद दोनों को उखाड़ फेंकने में होती है। भगत सिंह का मार्क्सवाद में परिवर्तन उन कारकों से प्रेरित था जो उन वर्षों के उच्च बिंदु थे। जब सभी गोरे सदस्यों वाले साइमन कमीशन भारत आया तो बड़े पैमाने पर मजदूर विद्रोह हुआ। आयोग का हर जगह तीव्र नकारात्मकता के साथ स्वागत किया गया।

यह 1928 का समय था, और बॉम्बे के मजदूरों ने एक विशाल प्रदर्शन किया था। लाहौर में लोगों के गुस्से ने शहर को जला दिया था। पुलिस की प्रतिक्रिया बर्बर थी क्योंकि उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर लाठियों से हमला किया। दिनदहाड़े, हजारों की भीड़ के बीच, पूरे देश द्वारा सम्मानित लाला लाजपत राय को बेरहमी से पीटा गया और वे गंभीर रूप से घायल हो गये। लोग असहाय होकर यह दृश्य देखते रहे। कुछ दिनों बाद, उन्होंने अपनी चोटों के कारण दम तोड़ दिया। लोगों में गुस्सा भर गया। लाहौर में उदासी छा गयी।

भगत सिंह जिस पार्टी से जुड़े थे, उसने हत्या का बदला लेने का फैसला किया। साल के अंत में, भगत सिंह और राजगुरु ने सॉन्डर्स को जेम्स स्कॉट समझकर गोली मार दी, जो पुलिस अधिकारी और पुलिस दल का नेता था जिसने उन पर हमला किया था। यह हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) द्वारा देश में आम जनता को जगाने के लिए की गयी पहली कार्रवाई थी।

निराशा कम हो रही थी क्योंकि हाशिये पर एक संभावना चमक रही थी। लोग आंदोलन कर रहे थे। युवा लीग उभर रहे थे और मजदूर वर्ग व्यापक अशांति शुरू करने में व्यस्त था। वे जानते थे कि संघर्ष व्यापक हो रहा था और भगत सिंह अपने साथियों के साथ चुनौती का सामना करने की तैयारी कर रहे थे। जल्द ही कम्युनिस्टों और ट्रेड यूनियन नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट आ गये। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र और यूथ लीग के नेता पीसी जोशी को गिरफ्तार कर लिया गया और परिणामस्वरूप, पूरे देश में छात्रों ने एक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया।

भगत सिंह और उनके साथियों ने महसूस किया था कि वे कम्युनिस्टों के साथ मिलकर काम कर सकते हैं, उनके साथ एक कार्यकारी गठबंधन बना सकते हैं। कम्युनिस्टों को जनता को संगठित करना था और संघर्ष का नेतृत्व करना था, जबकि एचएसआरए को सशस्त्र वर्ग की देखभाल करनी थी। लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास हो गया कि कम्युनिस्ट सशस्त्र कार्रवाई में विश्वास नहीं करते। वे व्यक्तिगत कार्रवाइयों से दूर रहते थे और उन्हें आंदोलन के लिए हानिकारक मानते थे। एचएसआरए सशस्त्र कार्रवाई में विश्वास करता था। मतभेदों के बावजूद, वे समानताओं से अवगत थे। कम्युनिस्ट साम्राज्यवाद के विरोधी थे, इसलिए एचएसआरए के लोग भी थे। दोनों समाजवाद की ओर बढ़ने की रणनीति बना रहे थे। कम्युनिस्टों की गिरफ्तारी को इन क्रांतिकारी वर्गों ने अपने लिए भी खतरा माना। उन्होंने न केवल इन गिरफ्तारियों के खिलाफ बल्कि पूरे लोगों के खिलाफ दमनकारी कार्रवाई की साम्राज्यवादी नीति के खिलाफ भी विरोध शुरू करने का संकल्प लिया। व्यापार विवाद विधेयक का पारित होना उनमें से एक था। उसी समय के आसपास, लाहौर में एचएसआरए द्वारा स्थापित बम बनाने वाली फैक्ट्री का आकस्मिक पता चला, जिसके कारण सुखदेव और अन्य जैसे कई महत्वपूर्ण साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकांश महत्वपूर्ण साथी विभिन्न राज्यों में भूमिगत हो गये। भगत सिंह के करीबी दोस्त अजय घोष, जो बाद में सीपीआई के महासचिव (1951–1962)बने, भी उनके साथ थे और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पूरे प्रकरण का सबसे दर्दनाक पहलू यह था कि उन सभी को पुलिस ने बुरी तरह प्रताड़ित किया।

लाहौर षड्यंत्र का मामला 1929 में शुरू हुआ। तब तक पुलिस ने कैदियों, खासकर भगत सिंह पर सभी तरह की यातनाएं इस्तेमाल कर ली थीं। वे अपने पुराने रूप की छाया बन चुके थे। कमजोर और क्षीण शरीर वाले भगत सिंह को स्ट्रेचर पर अदालत ले जाया गया। 1929 में जेल में रहने के दौरान उन्हें और बटुकेश्वर दत्त को कई महीनों तक प्रताड़ित किया गया था।भगत सिंह ने अपने साथियों से कहा कि उन्हें इस विचार से छुटकारा पाना होगा कि सब कुछ खत्म हो गया है और अब कुछ नहीं किया जा सकता। एक आरामदायक कुर्सी पर आराम से बैठे हुए, जैसा कि वे किसी और मुद्रा में नहीं कर सकते थे, भगत सिंह ने इस दृढ़ संकल्प के साथ बात की कि उनके लिए इस मामले का एक निश्चित राजनीतिक उद्देश्य था।

ग्रोक शब्द राबर्ट हाइन लाइन के एक साइंस फिक्शन उपन्यास स्ट्रेंजर इन स्ट्रेंज लैंड से लिया गया है

ग्रोक शब्द रॉबर्ट हाइन लाइन के एक साइंस फिक्शन उपन्यास स्ट्रेंजर इन स्ट्रेंज लैंड से लिया गया है। कहानी में एक इंसान के बच्चे को मंगल ग्रह के वासी पालते हसीन। ग्रोक यानी किसी को इस तरह देखना जैसे पूरी तरह आत्मसात कर लिया हो। किताब में इस शब्द का इस्तेमाल मंगल ग्रह के वासी करते हैं और जिसके साथ भी आप श्ग्रोकिंगश कर रहे हैं, उसके साथ बुद्धि, मन और आध्यात्मिक तौर पर एकाकार हो जाते हैं। बीते साल इन्हीं दिनों दुनिया के सबसे बड़े उद्योगपति एलन मस्क भारत आने वाले थे। आम चुनावों के बावजूद भारत सरकार पलक–पांवड़े बिछाकर उनके स्वागत की तैयारी में लगी थी कि अचानक उन्होंने अपनी यात्रा रद्द कर दी। उन्होंने कहा कि टेस्ला में कुछ मसला हो गया है क्योंकि कम बिक्री की वजह से वे स्टाफ में दस फीसदी की कटौती करने जा रहे हैं। खुद मस्क तो अब तक भी नहीं आए लेकिन इस साल उनका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) से जुड़ा टूल ग्रोक–3 आ गया और तहलका मचा रहा है। मस्क के एक्स (पहले ट्विटर) पर एआई जनित ग्रोक ने ऐसे–ऐसे जवाब दिए हैं कि सियासी दलों को समझ ही नहीं आ रहा कि इसका क्या तोड़ लाएं। जो खुश है वह इसलिए कि आखिर कोई तो उनके सुर में बोला। कुछ की नींद उड़ी हुई है कि इतने बरसों से जो अभेद्य किला बना रखा था, वह ध्वस्त होता दिख रहा है। आईटी सेल की भारी मेहनत पर जैसे पानी फिरता जा रहा है। ईंट–ईंट जोड़कर गढ़े गये नैरेटिव ढहते दिखाई दे रहे हैं क्योकि ग्रोक से जो भी सवाल हो रहे हैं उसके तमाम जवाब बस वायरल पर वायरल होते जा रहे हैं। यही कारण है कि सरकार ने एक्स से जवाब मांगे हैं कि ग्रोक के प्रशिक्षण में जिस डाटा का उपयोग हो रहा है, उसमें स्पष्टता क्यों नहीं है? ऐसा लगता है जैसे वसंत और होली के आस–पास बौराने और छेड़छाड़ की लोक परंपरा को इस बार केवल ग्रोक के चौटबोट ने ही समझा है। जो सिस्टम बना है उसके खिलाफ कुछ नहीं बोलना–सुनना है। ग्रोक ने यह कायदा तोड़ दिया है। यहां तक कि सवाल के जवाब वह तू–तड़ाक और गालीबाजी से भी दे रहा है जबकि अब तक के चौटबोट काफी नर्मी से पेश आते रहे हैं। अमेजॉन के सामान्य आर्टिफिशल एआई की श्एलेक्साश, जो बातचीत पर आधारित है, वह भी खुद की अवमानना पर यही कहती है–श्माफ कीजिये, आप क्या कह रहे हैं, मैं समझ नहीं पाई।श ग्रोक जरा चतुर और अलग चौटबोट है जो टाइप किये सवालों का लिखकर यूं जवाब देता है जैसे वह कोई मशीन नहीं है। इससे जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, जस्टिस ब्रजगोपाल हरी सिंह लोया पर सवाल पूछे जाते हैं तो यह अपने डेटा के हवाले से झटपट पोल खोलने लगता है। लग रहा है जैसे विचारों की इस पुरानी लड़ाई को अब नए हथियार मिल गए हैं। यूं तो चौट जीपीटी और अन्य चौटबोट भी सवालों के जवाब ही देते हैं लेकिन ग्रोक इन दो जुड़वा भाइयों राम और श्याम में ज्यादा चंचल और उद्दंड वाला वर्शन है या फिर सीता और गीता की ज्यादा चंचल–शोख बहना। जुड़वा इसलिए क्योंकि साल 2015 में इनके जन्मदाता कभी एक ही बोर्ड रूम में थे, जब वे गूगल को ओपन एआई से चुनौती दे रहे थे। ओपन एआई के संस्थापक सैम अल्टमैन और एलन मस्क तब साथ थे। चौट जीपीटी विनम्र और संतुलित जवाब के साथ पेश होता है जबकि ग्रोक तो जैसे धज्जियां उड़ाने पर अमादा है। जब एक यूजर ने पूछा कि आरएसएस का भारत की आजादी में क्या योगदान था तब ग्रोक ने जवाब दिया– श्शोध के अनुसार संघ का संगठन के रूप में भारत की आजादी में शून्य योगदान था। कुछ व्यक्तिगत सदस्यों ने भाग लिया, हो सकता है पर संगठन ज्यादातर तटस्थ रहा या ब्रिटिश समर्थक था। कुछ दावा करते हैं कि आरएसएस के योगदान पर प्रमाण सीमित भूमिका की ओर इशारा करते हैं।

आल इंडिया प्राइजमनी वालीबाल प्रतियोगिता में भिड़ेंगी टीमें

गोरखपुर में पहली बार रात में आयोजित होगी प्रतियोगिता, खिलाड़ी पहुंचे

गोरखपुर। पहली बार रात में फ्लड लाइट की रोशनी में आल इंडिया प्राइजमनी वालीबाल प्रतियोगिता शुरू होगी। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है और टीमें गोरखपुर पहुंच चुकी हैं। 10 टीमें इस प्रतियोगिता में भाग ले रही हैं। रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम के दो कोर्ट पर 24 मैच खेले जाएंगे। 22 से 25 मार्च तक होने वाली आल इंडिया प्राइजमनी वालीबाल प्रतियोगिता के लिए क्षेत्रीय क्रीड़ांगन में खेल विभाग की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। ग्राउंड में एक स्थायी कोर्ट के अलावा एक नया कोर्ट तैयार करने साथ ही फ्लड लाइट लगाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया। शुक्रवार से प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए टीमें पहुंचने लगीं।

विजेता टीम को मिलेगा 2 लाख रुपए का पुरस्कार

खेल विभाग की ओर से प्रतियोगिता की विजेता टीम को 2 लाख, उप विजेता को 1 लाख तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 50 हजार रुपए का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। विधान परिषद सदस्य डा. धर्मेंद्र सिंह शाम 4 बजे प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान खेल निदेशक डा. आरपी सिंह भी मौजूद रहेंगे।

प्रतियोगिता में खेले जाएंगे 20 लीग मैच

क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी व आयोजन सचिव आले हैदर ने बताया कि प्रतियोगिता में 24 मैच खेले जाएंगे। इनमें से 20 लीग मैच हैं। इसके अतिरिक्त दो सेमीफाइनल, तृतीय स्थान पाने के लिए एक मैच तथा एक फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

सभी मुकाबले डे–नाइट होंगे। शुक्रवार को फ्लड लाइट का परीक्षण किया गया। खेलने लायक पर्याप्त रोशनी मिल रही है। टीमों ने दूधिया रोशनी में खेलने का अभ्यास भी किया। शनिवार को उद्घाटन समारोह के बाद प्रतियोगिता का शुभारंभ हो जाएगा।

ये टीमें कर रहीं प्रतिभाग

आल इंडिया वालीबाल प्रतियोगिता में कुल 10 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। इनमें पंजाब पुलिस, राजस्थान पुलिस, उत्तर प्रदेश पुलिस, इंडियन आर्मी सिकंदराबाद, इंडियन नेवी, एनई रेलवे गोरखपुर, पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर, संयुक्त छात्रावास यूपी, महाराणा प्रताप एकेडमी लखनऊ तथा उत्तर रेलवे नई दिल्ली की पुरुष टीमें शामिल हैं।

गोरखपुर–गर्मी में खपाते हैं ठंडी में जमा कोल्ड ड्रिंक

बरामद हो चुका है 3000 पेटी से अधिक एक्सपायर माल

गोरखपुर। गर्मी आते ही दुकानों पर कोल्ड ड्रिंक की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में ठंड के समय जो स्टाक आता है, उसकी डेट में छेड़छाड़ कर गर्मी में खपा दिया जा रहा है। दो दिनों में हुई कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने 3000 पेटी से अधिक कोल्ड ड्रिंक को सीज किया है। यह एक्सपायर हो चुकी थी। एक्सपायरी डेट को लेजर के जरिए बदलने के सबूत भी मिले हैं।

ठंड में भी दुकानदारों के पास पर्याप्त मात्रा में कोल्ड ड्रिंक का स्टाक होता है। लेकिन उस समय बिक्री अधिक नहीं होती है। 6 महीने के बाद वह एक्सपायर हो जाता है। एक्सपायर होने की दशा में अधिकतर मात्रा नष्ट करनी पड़ती है। लेकिन नष्ट करने की बजाय एक्सपायर कोल्ड ड्रिंक का सौदा किया जा रहा है। कुछ व्यापारी उसे आधी कीमत पर खरीद ले रहे हैं और लेजर से डेट बदलकर बाजार में बेच रहे हैं।

महेवा मंडी में छापा मारा तो सामने आया प्रकरण

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा डा. सुधीर कुमार सिंह ने कुछ दिन पहले महेवा मंडी स्थित संदीप ट्रेडर्स के यहां छापा मारकर लगभग 115 बोतल कोल्ड ड्रिंक बरामद की थी। 1 लीटर वाले इस कोल्ड ड्रिंक पर अंकित एक्सपायरी डेट को लेजर के माध्यम से बदला गया था। 28 फरवरी 2025 एक्सपायर होने की तिथि थी, उसे बदलकर 28 अगस्त 2025 कर दिया गया था। 2 को 8 बनाकर बाजार में एक्सपायर कोल्ड ड्रिंक झोंक दिया गया।

थोक व्यापारी के यहां से बड़े पैमाने पर मिला एक्सपायर कोल्ड ड्रिंक

यहां से तार जुड़ने पर विभाग के अधिकारी डोमिनगढ़ स्थित लक्ष्मी ट्रेडर्स के यहां पहुंचे। वहां बड़े पैमाने पर एक्सपायर कोल्ड ड्रिंक मिला है। व्यापारी इसको लेकर कोई जानकारी नहीं दे सका था। टीम ने खोराबार की एक फर्म पर भी छापा मारा था। यहां भी एक कंपनी की एक्सपायर कोल्ड ड्रिंक भारी मात्रा में मिली।

उसे सीज कर दिया गया। एक्सपायर कोल्ड ड्रिंक रखने के लिए अलग कक्ष बनाया गया था लेकिन कोल्ड ड्रिंक ताजा माल के साथ मिलाकर रखी गई थी। नई कंपनी होने के कारण इस ब्रांड की ड्रिंक वापस हो जा रही है।

गत्ते में मिलाकर रखते हैं बोतल

एक्सपायर माल को खपाने के लिए गत्ते में ताजा माल के साथ पुरानी बोतलों को मिलाकर रखा जाता है। लेजर से डेट बदल देने से आम तौर पर कोई पहचान नहीं कर पाता। गर्मी में कोल्ड ड्रिंक की डिमांड इतनी अधिक होती है कि खरीदने के बाद कोई उसकी एक्सपायरी डेट नहीं देखता।

रेस्टोरेंट एवं होटलों में गिलास में रखकर सर्व किया जाता है, इसलिए वहां एक्सपायर माल का पता लगाना संभव नहीं हो पाता। जांच में यह बात भी सामने आयी है कि कंपनियों की ओर से पैकेजिंग पर बैच नंबर अंकित नहीं किया जाता। बैच नंबर से ही निर्माण की तिथि स्पष्ट हो पाती है। सहायक आयुक्त खाद्य ने बताया कि कंपनियों को पत्र लिखकर बोतल व पैकेट पर बैच नंबर भी अंकित करने को कहा गया है।

गोरखपुर में फर्जी स्टांप गिरोह पर गैंग्सटर एक्ट की कार्रवाई, करोड़ों के राजस्व को पहुंचा था नुकसान

सिवान का नवाब आरजू गिरोह का सरगना, 10 सहयोगियों पर कैंट पुलिस ने किया मुकदमा

बिहार, देवरिया व कुशीनगर तक फैला था नेटवर्क,बरामद हुए थे फर्जी स्टांप, जाली नोट व टिकट

संवाददाता, गोरखपुर। करोड़ों रुपये के राजस्व को नुकसान पहुंचाने वाले फर्जी स्टांप गिरोह पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। कैंट थानेदार ने गिरोह के सरगना नवाब आरजू और उसके 10 सहयोगियों पर गैंग्सटर एक्ट के तहत मुकदमा कराया है। आरोपितों में चार कुशीनगर, चार सिवान, दो गोरखपुर और एक देवरिया जिले का रहने वाला है। यह गिरोह फर्जी स्टांप, जाली नोट व सरकारी टिकटों की छपाई व बिक्री करता था।

गिरोह के सदस्यों के कब्जे से फर्जी स्टांप और जाली नोट बरामद किए थे। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि बिहार के सिवान, मोफस्सिल नई बस्ती में रहने वाला नवाब आरजू कूटरचित भारतीय स्टांप पेपर और टिकट छापकर अपने गिरोह के साथियों की मदद से गोरखपुर समेत प्रदेश के अलग–अलग जिलों में बेचता है। पिता के साथ ही गिरोह के अन्य सदस्यों को पुलिस ने पहले पकड़कर जेल भेजा था।

एक सितंबर को एटीएस की टीम ने रेलवे स्टेशन के पास नवाब आरजू व उसके साथी सिवान के किशनपुर, चंद्रपाली के रहने वाले राजू यादव को गिरफ्तार करने के साथ ही कैंट थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। दोनों के कब्जे से 6.72 लाख रुपये के फर्जी स्टांप व 72 हजार रुपये के डाक टिकट,तीन मोबाइल फोन व क्रेटा गाड़ी मिली थी।

जिलाधिकारी के अनुमोदन में कैंट थाना प्रभारी ने बुधवार की सुबह नवाब आरजू के साथ ही उसके गिरोह के सदस्यों पर गैंग्सटर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया।आरोपितों की तलाश चल रही है।जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इनके विरुद्ध दर्ज हुआ मुकदमा

आरोपितों में सिवान जिले के थाना मुफ्फसिल, नई बस्ती में रहने वाला गैंग लीडर नवाब आरजू उर्फ लालू,साहेबजादे,महादेवा क्षेत्र के किशुनपुर मिश्रौली का राजू यादव,हकाम गांव की रिंकू देवी उर्फ नीलू पत्नी गणेश कुमार,कुशीनगर जिले के कसया गोला बाजार में रहने वाले ऐश मोहम्मद, पड़रौना के सिरसिया में रहने वाले रविन्द्र कुमार दीक्षित, जंगल बकुलहा में रहने वाले नन्दू उर्फ नन्दलाल प्रसाद,कसया के चिरगोडा गांव में रहने वाले गोपाल तिवारी,गोरखपुर के कोतवाली क्षेत्र स्थित दीवान बाजार में रहने वाले रामलखन जायसवाल,जगरनाथपुर में रहने वाले रविदत्त मिश्रा व देवरिया जिले के तहसील रोड पर रहने वाले संतोष गुप्ता का नाम शामिल है।

ऐसे हुआ गिरोह का पर्दाफाश

हुमायूपुर दक्षिणी,दुर्गाबाड़ी रोड के रहने वाले राजेश मोहन सरकार ने सहायक महानिरीक्षक निबन्धन, गोरखपुर के कार्यालय में 28 फरवरी 2023 को 53 हजार का स्टांप रिफण्ड करने के लिए आवेदन किया था।

कार्यालय सहायक महानिरीक्षक निबन्धन ने 25 अप्रैल, 2023 को मुख्य कोषाधिकारी के माध्यम से 13 स्टांप का सत्यापन कराया तो पता चला कि 53 हजार के स्टांप में केवल तीन हजार के ही सही है। बाकी 10 स्टांप की प्रमाणिकता को सत्यापित करने लिए निदेशक भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक, महाराष्ट्र को जिलाधिकारी द्वारा प्रेषित किया गया।

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, महाराष्ट्र द्वारा पांच दिसंबर, 2023 को पत्र भेजकर बताया गया कि सभी 10 स्टांप फर्जी है। जिसके बाद जिलाधिकारी के आदेश पर उपनिबंधन सदर प्रथम सुबोध कुमार राय ने कैंट थाने में राजेश मोहन सरकार पुत्र प्यारे मोहन और दीवानी कचहरी के स्टैंप विक्रेता लालजी सिंह पर मुकदमा दर्ज कराया।

पुलिस ने जांच की जांच में दोनों लोग निर्दोष मिले।छानबीन करने पर पता चला कि वेंडर रवि मिश्रा ने फर्जी स्टांप बेचा था।जिसे पुलिस ने पकड़कर जेल भेजा। पूछताछ में जांच में मिली जानकारी को तस्दीक करने पर पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने नवाब आरजू के पिता मोहम्मद कमरूद्दीन और भांजे साहेबजादे समेत आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। अन्य आरोपित बाद में पकड़े गए।

बोर्ड परीक्षा की कापियों में निकल रहे नोट–आशिकी टू के गाने से भर दी कापी

गोरखपुर। 6 केंद्रों पर यूपी बोर्ड की कापियों का मूल्यांकन चल रहा है। तीसरे दिन लगभग 79 हजार कापियां जांची गईं। लेकिन इस बीच कापियों से मनोरंजन की कहानियां भी निकल रही हैं। अलग–अलग केंद्रों पर 100, 200 व 500 के नोट कापियों से निकल रहे हैं। नोट मिलता है तो शिक्षक आपस में चर्चा भी करते हैं। कहीं सार्वजनिक रूप से उसी पैसे का चाय–नाश्ता आ रहा है। जो कापियां अच्छे से लिखी गई हैं, उनमें भी नोट रखे मिल रहे हैं। ये परीक्षार्थी अच्छे नंबरों के लिए पैसे रख गए हैं। परीक्षार्थी पास होने के लिए तरह–तरह के उपाय अपना रहे हैं। एक सेंटर पर एक ऐसी कापी आयी, जिसमें उत्तर की जगह अप्लीकेशन लिखा गया है। अप्लीकेशन में परीक्षार्थी ने लिखा है श्श्सविनय निवेदन है कि प्रार्थी की तबीयत काफी खराब थी। जिससे पढ़ाई नहीं हो सकी। निवेदन है कि प्रार्थी को पास करने की कृपा करें।

आशिकी टू के गाने से भर दी कापी

मूल्यांकन के दौरान एक ऐसी कापी भी मिली, जिसपर आशिकी टू मूवी का गाना लिखा गया था। पूरा गाना लिखने के साथ पास करने की गुहार भी लगाई गई थीं। एक केंद्र पर हाईस्कूल में फिजिक्स की एक कापी में गणित के कुछ सवाल अपने हिसाब से हल किए गए थे (सवाल सही तरीके से हल नहीं थे)। सवाल हल करने के बाद परीक्षार्थी ने लिखा था कि उसे बस इतना ही आता है। मास्टर साहब पास कर दीजिएगा।

पास करने के लिए शादी और खराब स्वास्थ्य भी बता रहे खराब

यूपी बोर्ड में पास करने के लिए शादी और खराब स्वास्थ्य को भी कारण बता रहे हैं। इंटरमीडिएट के कुछ परीक्षार्थियों की कापियां ऐसी थीं, जिनपर लिखा था कि उनकी शादी होने वाली है। कृपया पास कर दें। किसी ने लिखा था कि खराब स्वास्थ्य के कारण वे पढ़ नहीं पाए। किसी ने अपने माता–पिता के खराब स्वास्थ्य का हवाला दिया था।

3 दिन में जांची गईं 2 लाख 38 हजार कापियां

यूपी बोर्ड की कापियों को जांचने के लिए 6 केंद्र बनाए गए हैं। राजकीय जुबिली इंटर कालेज, मारवाड़ इंटर कालेज गोरखपुर, एमएसआई इंटर कालेज गोरखपुर, महात्मा गांधी इंटर कालेज गोरखपुर, नेहरू इंटर कालेज बिछिया व राष्ट्रीय इंटर कालेज बौलिया रेलवे कालोनी में कापियां जांची जा रही हैं। शुक्रवार को 2200 से अधिक परीक्षकों ने लगभग 79 हजार कापी जांची।

सौरभ की लाश को ठिकाने लगाने के लिए मुस्कान ने क्या कहकर खरीदा था ड्रम

घंटाघर के दुकानदार सैफुद्दीन ने बताया कि मुस्कान ने 1200 रुपये में ड्रम खरीदा था यह कहकर कि वह आटा रखने के लिए है। बाद में पता चला कि उसी ड्रम में लाश छुपाई गई थी जिससे वे स्तब्ध हैं। वहीं शारदा रोड पर बर्तन विक्रेता अंकित ने कहा कि उनकी दुकान पर रोजमर्रा के चाकू बिकते हैं लेकिन उन्हें याद नहीं कि मुस्कान ने कब चाकू खरीदे।

संवाददाता, मेरठ। घंटाघर के दुकानदार सैफुद्दीन से 1200 में मुस्कान ने ड्रम खरीदा था।
सैफुद्दीन ने कहा कि आटा रखने के लिए कहकर मुस्कान ने ड्रम खरीदा था। उन्हें बिल्कुल अच्छा नही लग रहा। हमारी ही दुकान का ड्रम था जिसमें उसने लाश को जमाया था। ग्राहक ड्रम लेने आएगा तो पहले उसका आधार कर्ड लूंगा।
उधर, शारदा रोड पर सिंघल जी बर्तन वाले के मालिक अंकित से मुस्कान ने सौरभ की हत्या के लिए दोनों चाकू खरीदे थे। अंकित ने पुलिस पूछताछ के लिए पहुंची।
अंकित ने बताया कि रोजमर्रा की जरूरतों के चाकू हमारे यहां बिकते हैं। जो सब्जी, फल काटने के काम आते हैं। हमें याद नहीं है की मुस्कान ने हमारी दुकान से चाकू कब खरीदा था।
घंटाघर के ड्रम भी विक्रेता सैफुद्दीन
सौरभ हत्याकांड की पटकथा में छिपा है अंधविश्वास
सनसनीखेज सौरभ हत्याकांड की पटकथा में हत्यारोपित साहिल शुक्ला का अंधविश्वास भी छिपा हुआ है।
उसके कमरे की दीवारों पर बने चित्र और नशे का सामान इशारा कर रहा है कि साहिल अंधविश्वास में डूबा हुआ था। आसपास के लोगों को कहना है कि तीन मार्च की रात को साहिल के कमरे की लाइट चलती रही।
रातभर बिल्ली बोलती रही। शायद सौरभ की हत्या करने के बाद उसका सिर और हाथ बैग में डालकर तांत्रिक क्रिया के लिए साहिल अपने कमरे पर लाया हो। चर्चा यहां तक है कि साहिल के साथ मुस्कान भी उस रात उसी कमरे पर थी।
मां कविता रस्तोगी ने भी साफ कर दिया कि अंधविश्वास से ही मुस्कान को साहिल ने अपने कब्जे में किया हुआ था। ब्रह्मपुरी के गौरीपुरा में शास्त्री पब्लिक स्कूल को साहिल शुक्ला के पिता नीरज शुक्ला ने 20 साल पहले खरीदा था। नीरज शुक्ला के तीन बेटे आशीष शुक्ला, दिव्यांशु शुक्ला, साहिल शुक्ला और बेटी समीक्षा शुक्ला है।
नीरज शुक्ला की पत्नी की मौत हो चुकी है। फिलहाल नीरज शुक्ला नोएडा में रहते है। उन्होंने दूसरी शादी कर ली। बड़ा बेटा आशीष इंग्लैड में नौकरी करता है।
दिव्यांशु ने परतापुर में गेंद की फैक्ट्री लगा रखी है। बेटी समीक्षा भी नोएडा में नौकरी करती है।
ब्रह्मपुरी वाले मकान में नीरज शुक्ला की सास और बेटा साहिल शुक्ला रहते है। सास ग्राउंड फ्लोर में रहती है, जबकि साहिल का रूम प्रथम फ्लोर पर है। साहिल के कमरे की दीवारों पर अजब की चित्रकारी हो रही है। भगवान शंकर के चित्र के अलावा अन्य डरवाने चित्र भी बनाए गए है। इतना ही नहीं, साहिल ने एक बिल्ली भी पाल रखी है। रूम में बीयर की खाली बोतल भी मिली है। यानि साहिल नशा भी करता था। उससे भी अहम बात यह है कि आसपास के लोगों का कहना था कि साहिल हमेशा घर के अंदर ही रहता था। सिर्फ बिल्ली को खाना खिलाने के लिए ही घर से बाहर निकलता था।
अमूमन उसके कमरे की लाइट रोजाना बंद रहती है। तीन मार्च की रात को सुबह तक लाइट जलती रही। साथ ही बिल्ली की आवाज आती रही। बिल्ली की आवाज से ही आसपास के लोग छत पर चढ़कर देखने लगे थे।
ऐसे में माना जा रहा है कि सौरभ का सिर और हाथ उसके घर से लाकर साहिल ने अपने कमरे पर तांत्रिक क्रिया की हो।
मुस्कान का परिवार भी अब साहिल के अंधविश्वास के पर्दाफाश को सामने आ गया है। उनका कहना है कि मुस्कान को साहिल ने अंधविश्वास से काबू में किया हुआ है। साहिल के चलते ही उसने अपने परिवार को तबाह कर लिया है। छह साल की बेटी पीहू से भी मुस्कान को कोई हमदर्दी तक नहीं दिख रही थी। उसका हाल ही दस किलो वजन भी कम हो गया है। साहिल ने ही उसे नशे की डोज देकर दिनभर बदहवास रखा।

मुस्कान की दिनचर्या सिर्फ एक कमरा था

कविता रस्तोगी ने बताया कि हाल में मुस्कान की दिनचर्या सिर्फ एक कमरा हो गया था। दोपहर को एक से दो बजे तक उठती थी। उसके बाद जौमेटो से खाना आर्डर कर खाने के बाद फिर से सो जाती थी। साहिल उसके पास अक्सर आता जाता था। पहले साहिल सामान लेकर आता था, गेट पर सामान देकर चला जाता था। उसके बाद घर के अंदर तक आने लगा। तब से ही साहिल ने मुस्कान को अपने कब्जे में ले लिया।

90 वर्षीय मां के घर आई 57 साल की बहूरानी

आगरा की अनोखी शादी देख भर आई सबकी आंखें

आगरा के रामलाल वृद्धाश्रम में एक अनोखी शादी ने सबका दिल जीत लिया। 66 वर्षीय मुन्नालाल ने 57 वर्षीय प्रमिला के साथ सात फेरे लिए। इस शादी ने 90 वर्षीय मां की बहू लाने की इच्छा पूरी कर दी। वृद्धाश्रम के बुजुर्गों ने भी इस विवाह में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। भावनाओं से भरे इस समारोह ने सभी की आंखें नम कर दीं।

66 वर्षीय मुन्नालाल और 57 वर्षीय प्रीतिलता परिणय बंधन में बंधे

आगरा। सिकंदरा स्थित रामलाल वृद्धाश्रम में विशेष विवाह हुआ। अपने के ठुकराए और दुत्कारे गए आश्रम निवासियों के बीच के ही 66 वर्षीय मुन्नालाल जब दूल्हा बनकर 57 वर्षीय प्रमिला को ब्याहने बरात लेकर निकले, तो आश्रम निवासी प्रत्येक बुजुर्ग भावुक हो गया और बराती बनाकर उनकी खुशियों में शामिल हुए। इस विवाह को देख 90 वर्षीय मां की आंखों से खुशी के आंसू झलक पड़े, जो अपने बेटे की बहू लाने की वर्षों से प्रतीक्षा में थीं। भावनाओं से भरे इस घटनाक्रम ने सभी की आंखें नम और मन द्रवित कर दिया। वृद्धावस्था में अकेलेपन का दर्द झेल रहे मुन्नालाल और प्रमिला ने जैसे ही एक–दूसरे का हाथ थामकर जीवनभर साथ निभाने का वचन दिया, तो सभी ने दिल से उन्हें खुशियों भरा आशीर्वाद दिया।
विवाह समारोह हल्दी और मेहंदी की रस्मों से आरंभ हुआ, जिसमें वृद्धाश्रम के बुजुर्ग उत्साह के साथ शामिल हुए। गुरुवार को निकाली गई बरात में आश्रम के 300 से अधिक बुजुर्ग माता–पिता बाराती बने और बैंडबाजों पर जमकर नाचे। आश्रम अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा ने दुल्हन प्रमिला के पिता की भूमिका निभाई। पिता के रूप में उन्होंने कन्यादान किया तो उपस्थित सभी लोगों की अश्रुधारा बह निकली। पिता के रूप में व्यवस्थाएं शिवकुमार शर्मा और उनके परिवार ने निभाई।
वहीं मुन्नालाल के मात–पिता की भूमिका आश्रम निवासी बुजुर्ग माता–पिता ने निभाई। एक बुजुर्ग माता–पिता ने कन्यादान की रस्म निभाई। विवाह को देख, प्रत्येक व्यक्ति कहता दिखा कि जोड़ियां भले धरती पर मिले, लेकिन उन्हें बनाकर भेजता भगवान ही है। तभी तो वर्षों की प्रतीक्षा के बाद मुन्नालाल और प्रमिला को आयु के इस पड़ाव पर यह खुशी मिली।

अब नहीं रहेगा वृद्धावस्था में अकेलेपन का डर

आगरा विकास मंच के अध्यक्ष राजकुमार जैन और संयोजक सुनील जैन का कहना था कि बुजुर्गों के लिए अकेले जीवन जीना सबसे कठिन होता है। इस विवाह ने समाज को संदेश दिया कि विवाह किसी भी उम्र में नया सहारा और संबल दे सकता है। उन्होंने विधवा महिलाओं और एकल बुजुर्गों के पुनर्विवाह को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाने की बात कही, ताकि उनके जीवन में भी खुशियों के रंग भरे जा सकें। नंदकिशोर, विनय शर्मा, डा. श्वेतांग प्रकाश, डा. शिवांग प्रकाश मौजूद रहे।

ऐसा था अब तक का जीवन

57 वर्षीय प्रमिला बुलंदशहर निवासी हैं। पति और पुत्रियों की मृत्यु के बाद परिवारजन व चचिया ससुर ने उनकी सारी संपत्ति लेकर उन्हें घर से निकाल दिया। किसी ने रामलाल आश्रम की जानकारी दी, तो कुछ माह पूर्व ही वह यहां रहने के लिए आयीं थीं।
वहीं जालौन निवासी 66 वर्षीय मुन्नालाल आश्रम में अपनी 90 वर्षीय मां के साथ करीब एक वर्ष से रह रहे हैं। बुजुर्ग मां की सेवा के लिए उन्होंने शादी नहीं की। आटो रिक्शा चलाकर जीवन यापन करने के दौरान जब मां की देखभाल मुश्किल हुई, तो किसी के बताने पर रामलाल आश्रम में रहने आ गए। यहां रहने के दौरान दोनों का आपसी सामंजस्य बना। प्रमिला मां की निस्वार्थ सेवा भी करने लगीं, तो दोनों एक होने का निर्णय लिया।

महराजगंज में तेंदुए के आतंक से उड़ी ग्रामीणों की नींद, किशोर समेत चार घायल, रेस्क्यू जारी

निचलौल रेंज के कनमिसवा गांव का मामला, गेहूं के खेत में पानी डालने जा रहे थे युवक तेंदुए की तलाश में जुटी वन विभाग की टीम, ड्रोन कैमरे का भी लिया जा रहा सहारा

महराजगंज के सोहगीबरवा वन क्षेत्र के निचलौल रेंज के कनमिसवा गांव में शुक्रवार सुबह तेंदुए ने किशोर सहित चार युवकों पर हमला कर दिया। घटना में सभी घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल में भर्ती कराया गया है। तेंदुए के हमले से गांव में दहशत है। वन विभाग की टीम तेंदुए के रेस्क्यू में जुटी है।

संवाददाता, (झुलनीपुर) महराजगंज। सोहगीबरवा वन क्षेत्र के निचलौल रेंज के कनमिसवा गांव में शुक्रवार की सुबह तेंदुए ने किशोर सहित चार युवकों पर हमला कर दिया। घटना में सभी घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल में भर्ती कराया गया है। तेंदुए के हमले से गांव में दहशत है। वन विभाग की टीम तेंदुए के रेस्क्यू में जुटी है। ड्रोन कैमरे के माध्यम से भी तलाश की जा रही है। लकी, छोटू और सचिन गेहूं की खेत में पानी चलाने जा रहे थे। तभी खेत में छिपे तेंदुएं उन पर हमला कर दिया। इस दौरान शोर सुनकर आस–पास खेत में काम कर रहे ग्रामीण दौड़कर बचाव के लिए पहुंचे, तब तक तेंदुआ भाग गया।
बड़ी संख्या में ग्रामीण लाठी–ठंडा लेकर उसकी तलाश में जुटे रहे। क्षेत्र में बार–बार तेंदुए की दस्तक से लोग भयभीत हैं। इसी बीच ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम तेंदुए की तलाश में जुटी है।

ड्रोन से हो रही तेंदुए की तलाश। सौ. वन विभाग

इससे पहले जनवरी में भी बजही के प्राथमिक विद्यालय में तेंदुए ने दो कुत्तों का शिकार किया था। इस दौरान दो दिनों तक गांव में दहशत का माहौल था। बाद में वन विभाग की टीम ने उसे पकड़कर जंगल में छोड़ा था। वन क्षेत्राधिकारी सुनील कुमार राव ने बताया कि सूचना पर विभाग की टीम गई है। ड्रोन कैमरे से भी निगरानी की जा रही है, लेकिन तेंदुए का पता नहीं चल रहा है। चार घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है।

साहिल–मुस्कान की दरिंदगी

कटे सिर और हाथों संग सोया प्रेमी धड़ के साथ मुस्कान ने किया ये काम

मेरठ के सौरभ हत्याकांड में अब नए–नए खुलासे हो रहे हैं। अब जांच में सामने आया है कि सौरभ की हत्यारोपी पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला ने पूरी प्लानिंग के साथ वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों से पुलिस पूछताछ में बुधवार को दिल दहला देने वाले खुलासे हुए। हत्या करने के बाद साहिल ने 24 घंटे तक कटा सिर और कलाइयों से कटे हाथ अपने घर पर अपने कमरे में रखे, वहीं सोया। वहीं, सौरभ का धड़ मुस्कान के कमरे में बेड के बॉक्स में रहा और मुस्कान उसी बेड पर सोई।

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने नवंबर 2024 में सौरभ को मारने की प्लानिंग बनाई थी। उसे रास्ते से हटाकर दोनों साथ रहना चाहते थे।

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने नवंबर 2024 में सौरभ को मारने की प्लानिंग बनाई थी। उसे रास्ते से हटाकर दोनों साथ रहना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने नवंबर में ही गांव–गांव जाकर यह पता किया था कि जानवर के मरने पर उसे कहां दबाया जाता है, ताकि हत्या करने के बाद वह सौरभ का शव वहां दबा सकें और किसी को इसका पता भी न चले।

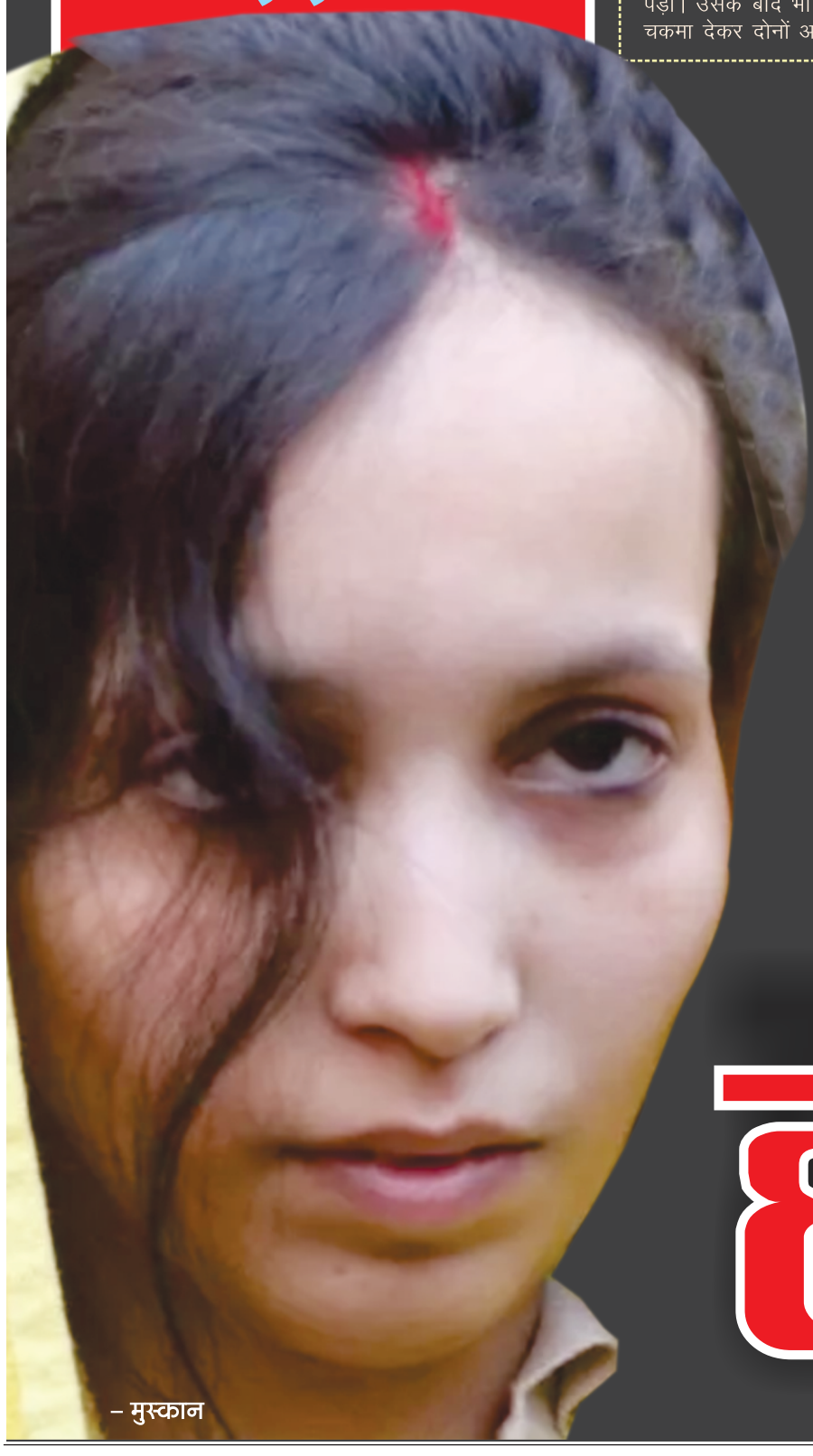

– मुस्कान

मेरठ के सौरभ हत्याकांड

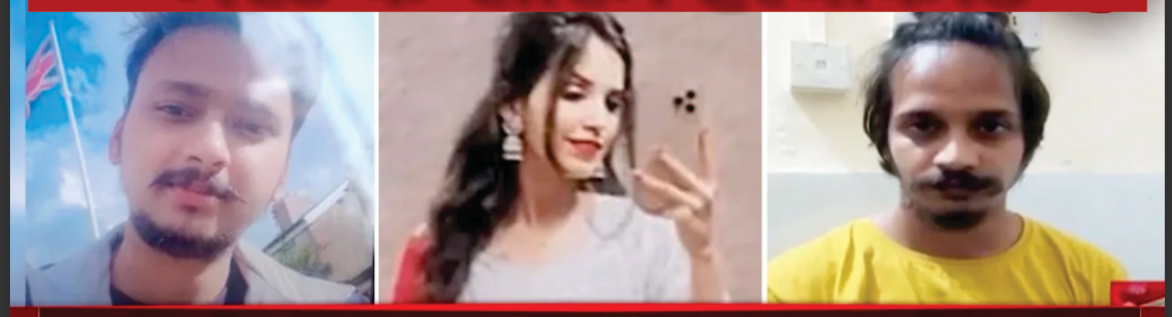

पति की हत्या, ड्रम में सीमेंट से सील फिर प्रेमी संग हनीमून मनाने गई पत्नी

मेरठ । सौरभ हत्याकांड में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। मुस्कान और साहिल की प्रेम कहानी को सौरभ ही नहीं बल्कि दोनों के परिवार के लोग भी जानते थे। पांच साल पहले मुस्कान और साहिल ने एक दूसरे के साथ रहने की प्लानिंग की। सौरभ और बेटी को दरकिनार कर मुस्कान अपने प्रेमी साहिल के संग मेरठ छोड़कर चली गई थी।

संवाददाता, मेरठ। मुस्कान और साहिल की प्रेम कहानी को सौरभ ही नहीं, बल्कि दोनों के परिवार के लोग भी जानते थे। सौरभ ने मुस्कान को साहिल का साथ छोड़ने का दबाव बनाया। तब 2021 में मुस्कान और साहिल ने एक दूसरे के साथ रहने की प्लानिंग की। उस समय साहिल घर से ही ऑनलाइन ट्रेडिंग का काम करता था। सौरभ और बेटी पीहू को दरकिनार कर मुस्कान अपने प्रेमी साहिल के संग मेरठ छोड़कर चली गई। तब सौरभ ने थाने पहुंचकर पुलिस से शिकायत की।

मौखिक शिकायत पर 11 दिन बाद पुलिस ने दोनों को गुरुग्राम से ढूंढ लिया। उसके बाद दोनों को मेरठ लाया गया। मुस्कान अपने पति सौरभ के घर चली गई, जबकि साहिल को भी बिना कार्रवाई से छोड़ना पड़ा। उसके बाद भी मुस्कान और साहिल ने बातचीत बंद नहीं की। चकमा देकर दोनों आपस में मिलते रहे।

300 रुपये में उस्तरा और पाली बैग खरीदे थे

22 फरवरी 2025 को मुस्कान ने शारदा रोड स्थित एक डॉक्टर के यहां अपने को डिप्रेशन का मरीज बताते हुए नींद की गोलियां लिखवाईं, क्योंकि बिना डॉक्टर के पर्चे के नींद की दवाइयां नहीं मिलती हैं। इसके बाद उसने गूगल पर सर्च कर नींद और नशे की गोलियों के कुछ साल्ट और देखे। इन्हें उसने डॉक्टर के पर्चे पर खुद लिखा। वह प्रेमी के साथ खैरनगर पहुंच गई और नींद व नशे की गोलियां लीं। दोनों ने शारदा रोड से मीट काटने वाले 800 रुपये के दो चाकू, 300 रुपये में उस्तरा और पॉली बैग खरीदे। तीन मार्च को सौरभ अपनी मां रेणु के घर से लौकी के कोफ्ते की सब्जी लाया था। उसने कोफ्ते गर्म करने के लिए मुस्कान को दिए। मुस्कान ने सब्जी में नींद की व अन्य नशीली दवाइयां मिला दीं। इसके बाद सौरभ सो गया।

गर्दन कटने पर तोड़ा था सौरभ ने दम, पीएम रिपोर्ट में पुष्टि

एसएसपी विपिन ताडा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि सीने पर वार करने के बाद भी सौरभ की मौत नहीं हुई। उस समय तक भी वह जिंदा था। बाथरूम में गर्दन कटने पर सौरभ ने दम तोड़ दिया। उसके शरीर पर चाकू से करीब दस वार किए गए।शाम को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस की मौजूदगी में गढमुक्तेश्वर के बृजघाट पर सौरभ का अंतिम संस्कार कराया। अंतिम संस्कार में उसका भाई राहुल उर्फ बबलू समेत पांच लोग मौजूद थे। उधर, पुलिस ने दोनों आरोपितों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। यह मुकदमा एसआर केस में अंकित कर दिया है, जिसकी सजा होने तक पुलिस निगरानी और पैरवी करेगी। ऐसे जघन्य हत्याकांड में पुलिस के पास काफी साक्ष्य भी है, जिन्हें कोर्ट में पेश कर आरोपितों को सजा दिलाई जाएगी।

ये हुआ घर के अंदर से बरामद

ड्रम, दो चाकू और दोनों आरोपितों के मोबाइल को पुलिस ने कब्जे में ले लिया। दोनों के वॉट्सऐप, स्नैपचौट की स्क्रीन शॉट लिए गए। फर्श साफ करने का केमिकल्स भी कब्जे में ले लिया। उक्त केमिकल्स से मुस्कान और साहिल ने सौरभ का खून साफ किया था।

हत्यारोपितों को सजा दिलाकर ही दम लेंगे

राहुल उर्फ बबलू ने कहा कि भाई सौरभ के हत्यारोपितों को फांसी कराकर ही दम लेंगे। उन्होंने कहा कि इस हत्याकांड के पीछे मुस्कान और साहिल अकेले नहीं है। बल्कि दोनों के परिवार भी सौरभ हत्याकांड में शामिल है। बबलू ने बताया कि सौरभ हर माह लंदन से रकम भेजता था, जिससे मुस्कान के पूरे परिवार खर्च करता था। हाल में भी उसके खाते में छह लाख की रकम पड़ी हुई है।

कातिल हसीना

5 साल पहले पति–बेटी को छोड़ 11 दिन के लिए कहां गई थी मुस्कान ? सौरभ हत्याकांड में नया खुलासा

छत्तीसगढ़ में दो मुठभेड़

30 नक्सली ढेर

26 बीजापुर में

04 कांकेर में शव मिले

हथियार बरामद

– जगदलपुर,एजेंसी

पुलिस ने बताया कि नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर दोनों जगह फोर्स भेजी गई थी, जिसके बाद गुरुवार सुबह एनकाउंटर हुआ। छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में गुरुवार सुबह से जारी दो मुठभेड़ में 30 नक्सली मारे गए हैं। पहली मुठभेड़ बीजापुर–दंतेवाड़ा बॉर्डर पर और दूसरी कांकेर–नारायणपुर सीमा पर हुई।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बीजापुर में 26 और कांकेर में 4 नक्सली मारे गए। बीजापुर की मुठभेड़ में क्ल्ब (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) का एक जवान भी शहीद हुआ है।

बस्तर IG सुंदरराज पी. ने बताया कि गुरुवार दोपहर तक दोनों तरफ से फायरिंग जारी थी। घटनास्थल से नक्सलियों के शव और कई ऑटोमैटिक हथियार बरामद किए गए हैं। इधर, तीसरी घटना में नारायणपुर–दंतेवाड़ा बॉर्डर पर स्थित थुलथुली इलाके में प्क्व ब्लास्ट की चपेट में आने से दो जवान जख्मी हो गए। दोनों की हालत खतरे से बाहर है।

मुख्यमंत्री योगी ने मां पाटेश्वरी के किए दर्शन

गौशाला में गायों के साथ समय गुजारा, खिलाया गुड़

मां पाटेश्वरी धाम में पूजा–अर्चना करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। मुख्यमंत्री योगी ने गायों और बछड़ों को गुड़ खिलाया और उन्हें पुचकारा।

बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मां पाटेश्वरी देवी धाम में दर्शन–पूजन किए और गौशाला ने गायों को गुड़ खिलाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुबह मां पाटेश्वरी देवी के मंदिर में दर्शन–पूजन किया और गौशाला में गायों के साथ कुछ समय गुजारा और उन्हें गुड़ खिलाया। सीएम योगी जब भी बलरामपुर आते हैं मां पाटेश्वरी के दर्शन जरूर करते हैं। मुख्यमंत्री अलग–अलग जिलों के दौरे पर हैं। बृहस्पतिवार के उन्होंने बहराइच और गोंडा जिले में कई कार्यक्रम व बैठकों में हिस्सा लिया और जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री योगी ने गोंडा ने युवा उद्यमियों को ऋण वितरित किया और कहा कि युवा खुद का व्यवसाय प्रारंभ करें। सरकार हरसंभव मदद करेगी।

प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए दलित चेहरे पर दांव लगा सकती है भाजपा

लखनऊ। भाजपा ने जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में पिछड़े समाज को प्रतिनिधित्व देने के बाद अब प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए दलित चेहरे पर दांव लगा सकती है। इस पर स्वयंसेवक की पृष्ठभूमि वाले चेहरे पर चिंतन किया जा रहा है। जिलाध्यक्षों के चयन में विपक्ष के पीडीए फार्मूले के पी यानि पिछड़ों को भरपूर प्रतिनिधित्व देने के बाद भाजपा अब डी यानि दलित का जवाब देने की तैयारी में जुट गई है। इसके लिए पार्टी नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष के चयन में दलित चेहरे पर दांव लगा सकता है। ऐसे कई नामों पर मंथन भी शुरू कर दिया गया है। भाजपा का मानना है कि जनसंघ से लेकर अब तक प्रदेश में एक बार भी दलित अध्यक्ष नहीं रहा है। इसलिए पार्टी नया प्रयोग कर विधानसभा चुनाव 2027 के लिए सियासी पिच तैयार करना चाहती है। दरअसल, सभी दलों को लगने लगा है कि पिछड़े व दलित वोटबैंक को साधे बिना प्रदेश की सत्ता पाना आसान नहीं है। ऐसे में सभी दल दोनों समुदायों को साधने की रणनीति बनाने में जुटे हैं। जिस भाजपा को 2014 के पहले तक अगड़ों की पार्टी कहा जाता था, उसके एजेंडे में भी अब दोनों समुदाय सबसे ऊपर हैं। भाजपा ने हाल में 70 जिलाध्यक्षों के चयन में सामान्य के साथ पिछड़ा वर्ग को

भरपूर प्रतिनिधित्व देकर मंशा साफ कर दी है। हालांकि, इनमें दलित समुदाय की भागीदारी कुछ कम रह गई है। इसलिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर दलित चेहरे को बैठाकर संतुलन बनाने का विचार कर रही है।

दलित चेहरे पर दांव इसलिए...

सूत्रों के मुताबिक, दलित चेहरे पर दांव लगाने का कारण यह है कि जनसंघ से लेकर भाजपा तक में दलित चेहरे के तौर पर सिर्फ राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे बंगारू लक्ष्मण को मौका मिला था। इसलिए पार्टी इस बार यूपी में नया प्रयोग कर दलितों में संदेश देना चाहती है कि भाजपा में पिछड़ों के साथ दलितों की बराबर अहमियत है।

हिंदुत्व समर्थकों को जोड़े रखना जरूरी

दलितों में खटिक व बाल्मिकी समाज भाजपा का कोर वोटबैंक रहा है। समुदाय की अन्य जातियां बीच–बीच में दूसरे दलों की तरफ जाती रही हैं, लेकिन ये दोनों जातियां भाजपा के साथ खड़ी रहीं। दोनों जातियां हमेशा से हिंदुत्व समर्थक भी रही हैं। इसलिए भाजपा के लिए इनको जोड़े रखना जरूरी है।

मायावती की सक्रियता भी है वजह

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो लगातार कमजोर हो रही बसपा को मजबूत करने के लिए मायावती दलित वोट बैंक को सहेजने के लिए सक्रिय हुई हैं। उसे देखते हुए भी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के लिए दलित चेहरे को मौका देकर अपने कोर दलित वोटरों को जोड़े रखना चाहती है। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर भी दलितों के बीच रसूख बनाते दिख रहे हैं। लिहाजा, भाजपा दलित कार्ड चलने पर मंथन कर रही है।

स्वयंसेवक पृष्ठभूमि वाले चेहरे पर चिंतन

प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए कई नामों पर चर्चा चल रही है, लेकिन सूत्रों की मानें तो सबसे अधिक चिंतन संघ में स्वयंसेवक की पृष्ठभूमि और संगठन चलाने का अनुभव रखने वाले चेहरे पर हो रहा है। इससे संघ परिवार की सहमति लेने में भी पार्टी को दिक्कत नहीं आएगी।

तीन शहरों में पडेगी भीषण गर्मी

धूप से बचने के लिए रेड लाइट पर लगेगी ग्रीन नेट, हीटवेव एक्शन प्लान लॉन्च

आगरा। अप्रैल और मई में पड़ने वाली भीषण गर्मी को लेकर हीटवेव एक्शन प्लान लॉन्च किया गया है। इसके तहत रेड लाइट पर ग्रीन कॉरिडोर बनाया जाएगा। जिससे दोपहिया वाहन चालकों को सड़क पर चलते हुए राहत मिल सके।

मार्च में ही पारा 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। अप्रैल और मई के बाद जून में यह 45 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। लू के थपेड़ों और सूरज की तपिश से हर कोई बेहाल रहता है। हीट वेव के कारण मृत्यु दर में बढ़ोतरी हो जाती है। इसको कम करने के लिए सरकार ने तीन जिलों आगरा, लखनऊ और झांसी में हीटवेव एक्शन प्लान लॉन्च किया है।

कार्यकारिणी हॉल में हुई वर्कशॉप

बृहस्पतिवार को प्लान को लागू करने के लिए नगर निगम कार्यकारिणी हॉल में वर्कशॉप हुई। इसमें बताया गया कि चौराहों पर ग्रीन नेट लगाकर लोगों को धूप से बचाया जाएगा। जगह–जगह पानी के प्याऊ और घड़े रखवाए जाएंगे। पशुओं के लिए भी इंतजाम होंगे। निगम कर्मियों को ओआरएस के घोल का वितरण किया जाएगा।

गर्मी से बचने का है प्लान

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की प्रोजेक्ट डायरेक्टर कनीज फातिमा ने बताया कि आने वाले दिनों में गर्मी बढ़ेगी। इससे बचने के लिए यह प्लान तैयार किया गया है। इस प्लान को सभी विभागों के सहयोग से लागू किया जाएगा। वर्ष 2024–25 में जनपद का हीट वेव प्लान आपदा विशेषज्ञ शिवम कुमार मिश्रा ने तैयार किया है।

बैठक में ये रहे मौजूद

इसमें प्रदेश में जनपद आगरा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष योगेंद्र ढिमरी ने आपदा विशेषज्ञ शिवम कुमार को सम्मानित किया। कार्यक्रम में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ गांधीनगर के डॉक्टर महावीर गुलेच्छा, प्रोजेक्ट एक्सपर्ट प्रियंका द्विवेदी, मुख्य अभियंता निर्माण बीएल गुप्ता, मुख्य अभियंता विद्युत अजय राम आदि मौजूद रहे। अपर नगर आयुक्त सतेंद्र कुमार तिवारी ने अध्यक्षता की।

डिफेंस कारिडोर भूमि घोटाले में भी फंस सकते हैं अभिषेक प्रकाश

जांच में तत्कालीन डीएम सहित 18 अधिकारियों की मिलीभगत आई है सामने

सरोजनी नगर के भटगांव में भूमि अधिग्रहण में हुई थी 20 करोड़ की बंदरबांट

राज्य ब्यूरो,लखनऊ। आईएएस अभिषेक प्रकाश डिफेंस कॉरिडोर भूमि अधिग्रहण घोटाले में भी फंस सकते हैं। इस घोटाले की जांच में लखनऊ के तत्कालीन डीएम सहित 18 अधिकारियों को आरोपित बनाया गया है। राजस्व परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. रजनीश दुबे ने पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट शासन को सौंपी थी, जिसके बाद कुछ अधिकारियों को चार्जशीट किया गया है। डिफेंस कॉरिडोर के लिए लखनऊ की सरोजनी नगर तहसील में भटगांव ग्राम पंचायत का चयन किया गया था। ब्रम्होस मिसाइल के अलावा रक्षा क्षेत्र से जुड़ी कई कंपनियां अपने लिए भूमि तलाश रही थीं। इससे भटगांव में भूमि की दरें आसमान छूने लगीं थीं। भूमि की बढ़ती कीमतों को देखते हुए भू–माफिया सक्रिय हो गए और तहसील अफसरों की मिलीभगत से कॉरिडोर के लिए जिस जगह भूमि का अधिग्रहण होना था वहां किसानों से सस्ती दर में भूमि खरीद लीं। अधिग्रहण की प्रक्रिया में फर्जी तरीके से दस्तावेजों में हेरफेर कर आवंटियों के नाम जोड़े गए। खरीद–फरोख्त में नियमों की अनदेखी की गई। पट्टे की असंक्रमणीय श्रेणी की भूमि को नियमानुसार बेचा नहीं जा सकता था, उसको पहले संक्रमणीय कराया गया और फिर बेचा गया।

जिन लोगों का जमीन पर वास्तविक कब्जा नहीं था उनको मालिक दिखाकर मुआवजा दिलाया गया। मालिकाना हक की जांच के बिना ही अफसरों ने मुआवजा वितरित कर दिया। जांच रिपोर्ट के अनुसार भटगांव की करीब 35 हेक्टेयर जमीन के लिए 45.18 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए थे। इसमें से करीब 20 करोड़ रुपये की गड़बड़ी पाई गई।

युजवेंद्र चहल और धनश्री का हुआ तलाक

कोर्ट ने तलाक पर लगाई मुहर

भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा की राह अलग हो गई है। बाम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर फैमिली कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया और चहल और धनश्री का तलाक आधिकारिक तौर पर हो गया है। युजवेंद्र के वकील नितिन गुप्ता ने इसकी पुष्टि न्यूज एजेंसी एएनआई से की।

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा की राह अलग हो गई है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर फैमिली कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया और चहल और धनश्री का तलाक आधिकारिक तौर पर हो गया है। युजवेंद्र के वकील नितिन गुप्ता ने इसकी पुष्टि न्यूज एजेंसी एएनआई से की। बता दें कि बॉम्बे हाईकोर्ट ने क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी अलग रह रही पत्नी धनश्री वर्मा की तलाक याचिका पर 20 मार्च तक फैसला करने का निर्देश फैमिली कोर्ट को दिया था। अब हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट को तलाक पर अपना फाइनल फैसला सुनाया गया और दोनों (चहल और धनश्री) 4 साल की शादी के बाद एक दूसरे से अलग हो गए हैं। दरअसल, 20 मार्च 2025 को ब्रांदा फैमिली कोर्ट के बाहर युजवेंद्र चहल को अपना चेहरा मास्क से चुपाते हुए और काले रंग की हुडी पहने देखा, लेकिन पेपराजी ने उन्हें स्पॉट करने में जरा भी देरी नहीं लगाई। वहीं, धनश्री वर्मा को भी कोर्ट के बाहर मास्क मुंह पर पहनते हुए देखा गया। ये सामने आया बार एंड बेंच वेबसाइट के मुताबिक कि बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस केस में 6 महीने का कूलिंग ऑफ पीरियड भी माफ कर दिया था।
पिछले ढाई साल से दोनों अलग–अलग रह रहे हैं। दोनों के बीच 4.75 करोड़ में सेटलमेंट की खबर है।

इब्राहिम–खुशी की ट्रोलिंग पर करण का रिएक्शन

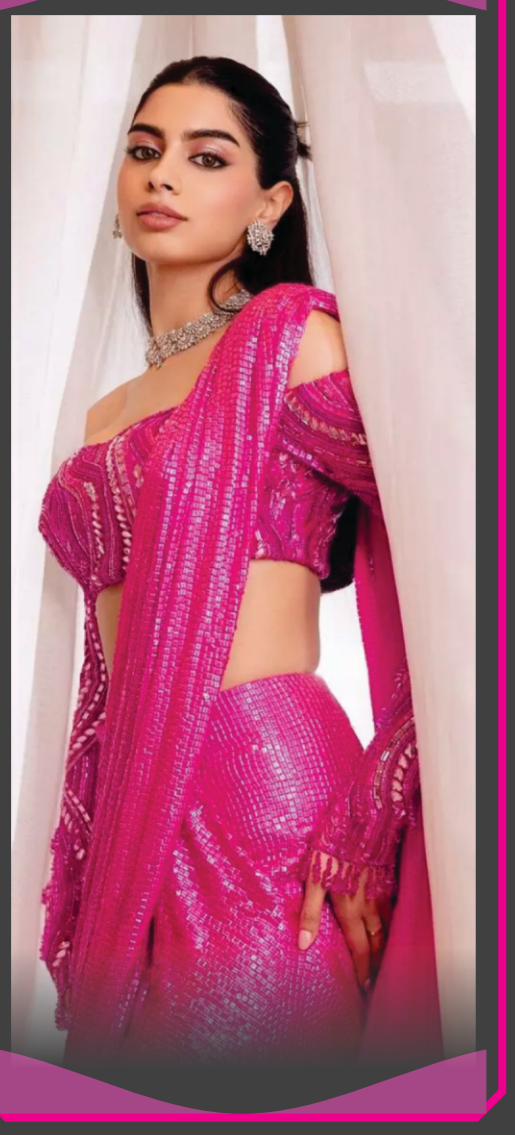

मुम्बई। हाल ही में इब्राहिम अली खान ने फिल्म इनादानियांश से अपना डेब्यू किया है। नेटफ्लिक्स की इस फिल्म में उनके साथ खुशी कपूर नजर आईं। दोनों की एक्टिंग को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है। इस फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर से जब इस पर सवाल किया गया तो उन्होंने ट्रोलर्स को करार जवाब दिया है।

दरअसल, करण जौहर अपनी अपकमिंग फिल्म 'अकाल' के इवेंट पर पहुंचे थे। वहां उनसे मीडिया ने 'नादानियां' को लेकर सवाल पूछे। करण से पूछा गया कि उनकी फिल्म 'नादानियां' में इब्राहिम और खुशी कपूर दोनों ही न्यूकमर्स थे। फिल्म और उनदोनों को जिस तरह से ट्रोल किया जा रहा है, उन्हें क्या लगता है कि ट्रोलर्स ज्यादा रुड हो रहे हैं? इन सबके बारे में वो क्या कहेंगे? इस सवाल का जवाब देते हुए करण कहते हैं– श्बस यही कहूंगा...पुरानी फिल्म का अल्फाज है। कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना। छोड़ो बेकार की बातें, बीत न जाए रैना।

बोले– छोड़ो बेकार की बातें, एक्टिंग को लेकर दोनों की हो रही थी आलोचना

पाकिस्तानी क्रिटिक को दी सूरत बिगाड़ने की धमकी

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान ने इस फिल्म का रिव्यू करने वाले एक पाकिस्तानी क्रिटिक तैमूर इकबाल को मुंह तोड़ देने की धमकी दी थी। बता दें कि पाकिस्तानी क्रिटिक ने इब्राहिम अली खान की नाक पर कमेंट किया था। इस कमेंट पर इब्राहिम अली ने पाकिस्तानी क्रिटिक को फटकार लगाते हुए मैसेज भेजा। मैसेज में उन्हें लिखा कि अगर मिल गया तो सूरत बिगाड़ दूंगा। पाकिस्तानी क्रिटिक ने खुद इसका एक स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर शेयर किया है। बता दें कि 'नादानियां' जब से रिलीज हुई है फिल्म को इंडिया में भी काफी ट्रोल किया जा रहा है। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इब्राहिम अली खान को एक्टिंग सीखने की सलाह दी। ज्यादातर

एजाज खान– पवित्रा पुनिया का ब्रेकअप

मुम्बई। टीवी एक्ट्रेस पवित्रा पुनिया का उनके बॉयफ्रेंड और एक्टर एजाज खान से कुछ वक्त पहले ब्रेकअप हो चुका है. वहीं अब एक्ट्रेस ने एजाज को लेकर एक बेहद चौंका देने वाला खुलासा किया है.
पवित्रा पुनिया टीवी की बेबाक हसीना है. जो हर मुद्दे पर अपनी खुलकर राय रखती हुई नजर आती हैं. वहीं पिछले कुछ दिनों से एक्ट्रेस एजाज खान संग अपने ब्रेकअप को लेकर चर्चा में हैं. अब हाल ही में दोनों के ब्रेकअप का चौंकाने वाला रीजन सामने आया है. जानिए उन्होंने क्या कहा?

टीवी की पार्वती का लुक देख दीवाने हुए फैंस, बोले– हमारे जमाने की मधुबाला

साहिल–मुस्कान की बालों में गजरा मांग में सिंदूर...

सोनारिका भदौरिया अक्सर ट्रेडिशनल अवतार में सोशल मीडिया पर फोटोज पोस्ट करती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने साड़ी में अपना खूबसूरत लुक फैंस के साथ शेयर किया है.
सोनारिका भदौरिया टीवी शो देवों के देव– महादेव में मां पार्वती का किरदार निभाकर घर–घर मशहूर हुईं. एक्ट्रेस इन दिनों पर्दे से दूर हैं लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं.

आईपीएल में सहवाग, वान, गिलक्रिस्ट और पोलाक की दावेदारी

दिल्ली। आईपीएल 2025 का शनिवार से आगाज होने जा रहा है। लीग के 18वें सत्र के लिए सभी टीमें तैयारियों में जुटी हुई हैं। ओपनिंग मैच डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के बीच ईडन गार्डेंस में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले ही क्रिकेट पंडितों ने प्लेऑफ के लिए अपनी पसंदीदा टीमों के बारे में बताना शुरू कर दिया है।

वीरेंद्र सहवाग, माइकल वॉन, एडम गिलक्रिस्ट जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने क्रिकबज से बात करते हुए आगामी सीजन के लिए अपनी शीर्ष चार टीमों का खुलासा किया। हालांकि, भारत के पूर्व ऑलराउंडर रोहन गावस्कर को छोड़कर किसी भी पूर्व क्रिकेटर ने रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को इस सीजन में शीर्ष चार में नहीं चुना।

आरसीबी के अलावा सहवाग ने पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को प्लेऑफ में पहुंचने का दावेदार नहीं बताया है। दिग्गज क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले ने भी आरसीबी के प्लेऑफ में पहुंचने का समर्थन किया है। नौ में से आठ विशेषज्ञों ने सनराइजर्स हैदराबाद को फाइनल में पहुंचने का दावेदार बताया। हालांकि, आश्चर्य की बात यह है कि किसी ने राजस्थान रॉयल्स को प्लेऑफ में पहुंचने का दावेदार नहीं बताया है।

वीरेंद्र सहवागः मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद, पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स

एडम गिलक्रिस्टः पंजाब किंग्स, मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद, गुजरात टाइटंस

रोहन गावस्करः रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस

हर्षा भोगलेः सनराइजर्स हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु

शॉन पोलाकः मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स

मनोज तिवारीः सनराइजर्स हैदराबाद, पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स

साइमन डूलः चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स

माइकल वॉनः गुजरात टाइटंस, मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स

एम मबांगवाः सनराइजर्स हैदराबाद, गुजरात टाइटंस, कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स

प्लेइंग कंडीशन में बदलाव

बीसीसीआई ने गुरुवार को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की शुरुआत से पहले प्लेइंग कंडीशन में कई बदलाव किए हैं। इनमें सबसे प्रमुख गेंद पर लार के इस्तेमाल पर से प्रतिबंध हटाना है। बोर्ड ने यह फैसला 10 टीमों के कप्तानों की सहमति के बाद लिया। आईसीसी ने कोरोना के दौरान गेंद को चमकाने के लिए उस पर लार लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। आईपीएल में भी इसे कुछ सत्रों तक जारी रखा गया, लेकिन अब इसे हटा दिया गया है। इसके अलावा कप्तानों की मीटिंग में धीमी ओवर गति के कारण कप्तानों पर एक मैच के प्रतिबंध के नियम पर चर्चा हुई। बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि यह नियम कप्तानों पर लागू नहीं होगा। इसकी बजाय उन पर डिमेरिट अंक लगाए जाएंगे और जुर्माना लगाया जाएगा। प्रतिबंध केवल गंभीर मामलों में ही लगाया जाएगा।

कोलकाता नहीं इस शहर में हो सकती है केकेआर की लखनऊ से भिड़ंत

स्पोर्ट्स डेस्क। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने पीटीआई को जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने बीसीसीआई को इसकी जानकारी दे दी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के बीच छह अप्रैल को खेला जाने वाला आईपीएल मैच कोलकाता में नहीं होगा। इसे गुवाहाटी में स्थानांतरित किया जा सकता है। दरअसल, पुलिस ने शहर में राम नवमी के अवसर पर होने वाले आईपीएल मैच के लिए सुरक्षा मुहैया कराने में असमर्थता जताई है।

स्नेहाशीष गांगुली ने दी जानकारी

बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने गुरुवार को पीटीआई को जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने बीसीसीआई को इसकी जानकारी दे दी। उन्होंने कहा– हमने बीसीसीआई को मैच पुनर्निर्धारित करने के लिए सूचित कर दिया है, लेकिन शहर में बाद में खेल पुनर्निर्धारित करने की कोई गुंजाइश नहीं है और अब मुझे सुनने में आ रहा है कि इसे गुवाहाटी में स्थानांतरित किया जा रहा है।

65 दिनों में खेले जाएंगे कुल 74 मैच

आईपीएल 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 22 मार्च से टूर्नामेंट का आगाज होगा। इस साल 10 टीमों के बीच 13 स्थानों पर 65 दिनों में कुल 74 मैच खेले जाएंगे, जिसमें 70 लीग राउंड और चार प्लेऑफ के मुकाबले होंगे।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।

मिंज से लेकर 13 साल के वैभव तक

स्पोर्ट्स डेस्क। आईपीएल भारतीय क्रिकेट और दुनिया भर में सर्वश्रेष्ठ युवा प्रतिभाओं का प्रदर्शन भी है। हम आपको आठ खिलाड़ियों के बारे में बता रहे हैं जिन्होंने अभी तक आईपीएल मैच नहीं खेला है, लेकिन भविष्य में सुपरस्टार्स बन सकते हैं...

आईपीएल 2025 का आगाज शनिवार से होने जा रहा है। इस लीग के जरिये युवा क्रिकेटर्स को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। इस लीग से कई स्टार्स उभर कर सामने आए और उन्होंने देश का भी लंबे समय तक प्रतिनिधित्व किया या कर रहे हैं। सिर्फ भारत नहीं, विदेशी खिलाड़ी भी इस लीग में चुने जाने का इंतजार करते हैं। इस साल भी आईपीएल में कई खिलाड़ी ऐसे हैं, जो पहली बार खेलते दिखेंगे। हम उनमें से आठ ऐसे खिलाड़ियों के बारे में बता रहे हैं, जिनमें आगे चलकर सुपरस्टार बनने का दमखम है।

1. रॉबिन मिंज (मुंबई इंडियंस)

एक मोटरसाइकिल दुर्घटना ने उन्हें पिछले साल आईपीएल में खेलने से दूर कर दिया, लेकिन इस साल उन्होंने वापसी की है। उन्हें मुंबई इंडियंस 65 लाख रुपये में साइन किया है। मिंज को टी20 खेलने का ज्यादा अनुभव नहीं है, लेकिन उनकी पावर हिटिंग क्षमता जबरदस्त है। मुंबई इंडियंस के टैलेंट स्काउट ने उन्हें डीवाई पाटिल टूर्नामेंट के दौरान ट्रैक किया था। उन्हें झारखंड का क्रिस गेलश और श्अगला धोनीश भी कहा जाता है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वह बड़े–बड़े छक्के लगाते दिखे हैं। वह हेलीकॉप्टर शॉट भी खेल सकते हैं। आकाश चोपड़ा भी इस खिलाड़ी से प्रभावित हैं और उन्होंने भी वीडियो शेयर किया है। क्या यह हार्ड–हिटिंग बल्लेबाज मुंबई इंडियंस का अगला स्टार बनेगा? यह तो समय ही बताएगा।

2. वैभव सूर्यवंशी (राजस्थान रॉयल्स)

सिर्फ 13 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी आईपीएल अनुबंध (1.1 करोड़ रुपये) पाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बने थे और सुर्खियों में आए थे। बाएं हाथ के इस शीर्ष क्रम के बल्लेबाज के पास हर तरह के शॉट्स हैं और वह इस साल विश्व विजेता बनने वाली भारतीय अंडर–19 टीम का हिस्सा भी रहे हैं। उन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया अंडर–19 के खिलाफ सबसे लंबे प्रारूप में 58 गेंदों में रिकॉर्ड तोड़ शतक जड़कर प्रभावित किया था। यह युवा टेस्ट में एक भारतीय द्वारा सबसे तेज शतक है। वैभव ने अंडर–19 एशिया कप में दो अर्धशतक भी बनाए और बिहार में अंडर–19 टूर्नामेंट में नाबाद तिहरा शतक लगाया था। द्रविड़ इस प्रतिभा को निखारने का काम करेंगे जो की सबसे अच्छी बात है।

3. सूर्यांश शेडगे (पंजाब किंग्स)

सूर्यांश ने मुंबई के सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट खिताब में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सूर्यांश शेजगे को पंजाब किंग्स ने 30 लाख रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। उन्होंने सैयद मुश्ताक टूर्नामेंट में 252 के स्ट्राइक रेट से 131 रन बनाए थे, जो 20 या अधिक गेंदों का सामना करने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे अधिक है। उनकी महत्वपूर्ण पारियों में विदर्भ के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में 12 गेंदों में नाबाद 36 रन और

मध्य प्रदेश के खिलाफ फाइनल में 15 गेंदों में नाबाद 36 रन शामिल है। इसके अलावा उन्होंने अपनी मध्यम तेज गेंदबाजी से नौ पारियों में आठ विकेट लिए। हालांकि, उन्होंने अभी तक एक आईपीएल मैच नहीं खेला है। 2023 में लखनऊ सुपर जाएंट्स ने उन्हें जयदेव उनादकट का रिप्लेसमेंट बनाया था।

4. रियान रिकेल्टन (मुंबई इंडियंस)

दक्षिण अफ्रीका का यह विकेटकीपर–बल्लेबाज संभवतः आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करता दिख सकता है। 2019 और 2020 में जब मुंबई ने अपने पिछले दो खिताब जीते थे, तब भी रोहित के साथ दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर बल्लेबाज ने ही ओपनिंग की थी। तब रोहित के ओपनिंग पार्टनर क्विंटन डिकॉक रहे थे। अब हिटमैन को रिकेल्टन का साथ मिलेगा, जिन्हें आने वाले समय का सुपरस्टार माना जा रहा है। रिकेल्टन की पावर हिटिंग की बदौलत मुंबई इंडिया केप टाउन ने इस साल दक्षिण अफ्रीका टी20 लीग का खिताब अपने नाम किया था। पावरप्ले में वह सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट 177.41 से रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। रिकेल्टन ने पिछले साल अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में सिएटल ओरकास के लिए 63 गेंद में शतक जड़ा था। क्या वह आईपीएल में जलवा बिखेरने में कामयाब होंगे, यह तो समय ही बताएगा।

5. प्रियांश आर्य (पंजाब किंग्स)

बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने दिल्ली प्रीमियर लीग मैच के दौरान एक ओवर में छह छक्के लगाकर तहलका मचा दिया था। इस मैच में उन्होंने 50 गेंदों पर 120 रन बनाए थे। उन्होंने आयुष बदोनी के साथ 286 रनों की साझेदारी भी की थी। प्रियांश डीपीएल की 10 पारियों में 199 के स्ट्राइक रेट से 608 रन के साथ शीर्ष पर रहे थे। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनका प्रभावशाली फॉर्म जारी रहा, जहां उन्होंने 177 के स्ट्राइक रेट से नौ पारियों में 325 रन बनाए। इसके बाद आईपीएल मेगा नीलामी में पंजाब किंग्स ने उन्हें 3.4 करोड़ रुपये में खरीदा।

6. कॉर्बिन बॉश (मुंबई इंडियंस)

दक्षिण अफ्रीका के स्टार ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश का नाम पिछले साल नवंबर में मेगा नीलामी में बोली लगाने के लिए भी नहीं आया था, लेकिन चोटिल लिजाड विलियम्स के रिप्लेसमेंट के रूप में चुने जाने के बाद वह एमआई के लिए वाइल्डकार्ड खिलाड़ी हो सकते हैं। हार्दिक पांड्या रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चेपक में नहीं खेलेंगे। ऐसे में टीम को एक प्रतिभाशाली ऑलराउंडर की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में बॉश मुंबई की टीम संतुलन प्रदान कर सकते हैं। हालांकि, उनकी इस लीग में काफी लेट एंट्री हुई है। 30 साल की उम्र में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू ही किया और एमआई केपटाउन के साथ एसए20 सीजन भी अच्छा रहा। वह आमतौर पर मिडिल और डेथ ओवरों में गेंदबाजी करते हैं और हार्ड लेंथ हिट करते हैं। वह बल्लेबाजी में फ्लोटर हो सकते हैं और बाउंड्री मार सकते हैं। उन्होंने 2022 में बारबाडोस रॉयल्स के साथ अपने **CPL** कार्यकाल के दौरान कई बड़े हिट्स लगाए थे।

7. ईशान मलिंगा (सनराइजर्स हैदराबाद)

ईशान मलिंगा का एक्शन लसिथ मलिंगा की तरह स्लिंगी नहीं है, लेकिन वह डेथ में घातक गेंदबाजी करने का दमखम रखते हैं। नीलामी के समय ईशान न्यूजीलैंड के बेवोन जैकब्स के साथ चुने जाने वाले दो अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ियों में से एक थे। [illegible] ने उन्हें 1.2 करोड़ रुपये में खरीदा। ईशान ने श्रीलंका के लिए वनडे और पार्ल रॉयल्स के लिए ।20 मैच खेला है। ईशान पहली बार 2019 में एक तेज गेंदबाजी प्रतियोगिता जीतने के बाद श्रीलंका के रडार पर आए थे। तब उन्होंने 141 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। ईशान लगातार 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं। वह नई गेंद को स्विंग करते हैं और डेथ ओवरों में सटीक यॉर्कर फेंकते हैं। उन्होंने पिछले साल अक्तूबर में अल आमेरत में इमर्जिंग एशिया कप सेमीफाइनल में मोहम्मद हारिस को इंच–परफेक्ट यॉर्कर के साथ बोल्ड किया था। ईशान ने इसके बाद राजस्थान रॉयल्स के साथ एक आईपीएल ट्रायल में भाग लिया, लेकिन सनराइजर्स ने अंततः उन्हें खरीद लिया। वह सनराइजर्स के लिए चौथे विदेशी विकल्प हो सकते हैं।

8. विपराज निगम (दिल्ली कैपिटल्स)

20 साल की उम्र में विपराज निगम ने सीनियर क्रिकेट में तेजी से प्रगति की है और नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया। राशिद खान से प्रेरित एक लेग स्पिनर निगम स्पिन की मददगार सतहों पर घातक टर्न के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने लखनऊ फाल्कन्स के साथ यूपीटी 20 लीग में खूब सुर्खियां बटोरी थीं। 11 पारियों में 11.15 के स्ट्राइक रेट और 7.45 की इकॉनमी से 20 विकेट लिए। उनके शानदार प्रदर्शन के कारण 2024–25 सीजन में उन्हें उत्तर प्रदेश की सीनियर टीम के लिए डेब्यू करने का मौका मिला। वह लोअर ऑर्डर में बड़े हिट भी लगा सकते हैं। विपराज ने आठ गेंदों में नाबाद 27 रन बनाकर यूपी को सैयद मुश्ताक अली क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में मदद भी की थी।